

Fourteenth Loksabha

Session : 6

Date : 23-12-2005

Participants : Kumar Shri Shailendra

>

Title : Need to declare public holiday on the birth date of Emperor Ashok.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : अध्यक्ष महोदय, हमारे देश की यह विशेषता रही है कि हम सदैव महान और योग्य व्यक्तियों का सम्मान करते रहे हैं, पर आजादी के 57 साल बीत जाने के बाद भी हमने इस देश के ऐसे महान सम्राट के प्रति अपनी कृतज्ञता नहीं प्रकट की, जिसके वह वाकई हकदार थे। सम्राट अशोक महान जिनके द्वारा सारनाथ में भगवान बुद्ध के प्रथम धाम्य दर्शन स्थल को चिर-स्थायित्व प्रदान करने के लिए एक लाट (स्मृति चिन्ह चार सिंह) शीर्ष स्तंभ बनवाया था। सम्राट अशोक महान की लाट को भारत के संविधान द्वारा राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह के रूप में स्वीकारा गया है जो हमारे देश की धर्मनिरपेक्षता, सहिष्णुता और मानव मंगलकारी आदर्श का प्रतीक है। आज तक हमारे देश में सम्राट अशोक महान के नाम से न तो कोई राष्ट्रीय पर्व मनाया जाता है और न ही उनके जन्मदिन (चैत्र शुक्ल पक्ष अटी 296 इ.पू.) पर कोई अवकाश घोषित है।

मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूँ कि उपरोक्त जन्मदिन पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया जाये।